# LESSON PLAN FORMAT

| विद्यालय का नाम – XYZ | |
|---|---|
| दिनांक - XYZ | कालांश – 2nd |
| कक्षा - ABC | अवधि - 35 मिनट |
| विषय - XYZ | प्रकरण - PQR |

**अथवा**

| दिनांक | कक्षा | विषय | प्रकरण | कालांश | अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| XYZ | ABC | XYZ | PQR | 2nd | 35 मिनट |

1) पाठ के उद्देश्य

a) सामान्य उद्देश्य –

- छात्रो में (जो आपका विषय है उसका नाम) विषय के प्रति रूचि उत्पन्न करना |
- छात्रो में (जो आपका विषय है उसका नाम) विषय की उपयोगिता के बारे में बताना |
- छात्रो को (जो आपका विषय है उसका नाम) विषय से होने वाले लाभों से अवगत करना |

b) विशिष्ट उद्देश्य - छात्रों को (जो आपका प्रकरण है उसका नाम) के बारे में जानकारी प्रदान करना |

2) सहायक सामग्री - चाक, डस्टर, श्यामपट्ट मार्कर आदि |

3) छात्रो का पूर्व ज्ञान - छात्रो को (जो आपका विषय है उसका नाम) विषय में कुछ सामान्य जानकारी रखते हो | जैसे अगर आपका विषय भौतिक विज्ञान है और आप बच्चो को प्रकाश पढ़ाने वाले है तो यह सुनिश्चित कर ले की बच्चे प्रकाश के बारे में कहा तक जानते होंगे|

4) प्रस्तावना – इसमें हम अपने तरफ से क्लास में बच्चो से कुछ सवाल करते है जिसके शुरू के कुछ प्रश्न का उत्तर छात्र दे देंगे क्योंकि यह हमने आसान सवाल पूछेंगे|

उसके बाद लास्ट का आखरी सवाल हम लोगो का समस्यात्मक होगा जिसके जवाब छात्र नही दे सकेंगे हालाँकि कुछ छात्र दे भी सकते है और हम लोगो का यही आज का टॉपिक हो हो जाएगा जिसको हम पढ़ाने वाले होते है|

जैसे अगर हम लोगो का विषय भौतिक विज्ञान है और प्रकरण प्रकाश है तो हम लोगो का शुरू का सवाल कुछ ऐसा होगा की – बच्चो जब हम बल्ब जलाते है तो हमें क्या मिलता है जिसका जवाब बच्चे देंगे की सर रोशनी और ऐसे ही कुछ सवाल और होंगे ध्यान रखे की अगर बच्चे जवाब नही दे पाते है तो आपका फ़र्ज़ है यहाँ पर इसका जवाब बता भी देना है

इसके बाद हमारा समस्यात्मक एक प्रश्न होगा जैसे – बच्चो क्या आपने कभी सोचा है की आखिर ये प्रकाश है क्या और ये रौशनी देती कैसे है? फिर यही हम लोगो का प्रकरण होगा जिसको हम आज पढ़ाने वाले होंगे|

| छात्राध्यापक कथन | छात्र कथन |
|---|---|
| | |
| | |
| | |
| | |

5) उद्देश्य कथन – बच्चो आज हम लोग (विषय का नाम एवं प्रकरण है का नाम) के बारे में अध्ययन करेंगे |

6) पाठ का विकास या प्रस्तुतिकरण – इसमें आपको पॉइंट बना करके वह टॉपिक लिखनी होती है जो आप बच्चो को पढ़ा रहे है|

7) श्यामपट्ट कार्य – इसमें हम समय समय पर आवश्यकता अनुसार श्यामपट्ट पर चित्र अथवा महत्वपूर्ण कथन लिखते रहते है|

8) निरिक्षण कार्य – इसमें हम समय समय पे क्लास में घूम करके देख लेते है की बच्चे सही से अपना कार्य कर रहे है या नहीं या फिर उन्हें जोई दिक्कत तो नहीं है आदि|

9) गृह कार्य – इसमें हम अपने छात्रो को कुछ गृह कार्य यानी होम वर्क देंगे ताकि वह आज की पढाई को और अच्छे से समझ पाए|